an>

Title: Need to construct permanent buildings for post offices in rural areas of the country and also introduce new facilites in them.

श्रीमती नीलम सोनकर (लालगंज) ः देश में लगभग 425 वर्ष पुरानी ""भारतीय डाक प्रणाली"" संसार की सर्वोत्कृष्ट विश्वसनीय और सबसे बड़ी डाक प्रणाली है। आज भी हर साल लगभग 1000 करोड़ पत्र घर-घर पहँचाये जाते हैं। भारतीय डाक विभाग विकास के क्रम में डाकिए द्वारा चिट्ठी बांटने से स्पीड पोस्ट और स्पीड पोस्ट से ई-पोस्ट के युग में पहँच गया है। मैं बधाई दूंगी कि भारत सरकार ने घर बैठे ऋषिकेश और गंगोत्री का पवित्र गंगा जल देशवासियों को उपलब्ध कराया है किन्तु आज भी बड़े पैमाने पर डाक घर किराए के भवन में चल रहे हैं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक व्यवस्था व ई-प्रणाली काम नहीं कर रही है।

मैं संचार मंत्री जी से मांग करती हँ कि ग्रामीण क्षेत्रों में डाकघरों के अपने भवन के साथ ही आधुनिक व्यवस्था, ई-प्रणाली व ए.टी.एम. से युक्त डाकघर संचालित करने की व्यवस्था की जाये, जहां रेल टिकट आरक्षण के साथ ही बिजली, टेलीफोन आदि के बिल जमा करने की सुविधा जनता को एक स्थान पर आसानी से मिलना सुनिश्चित हो सके।